ग्राम पंचायत लखेशरा, जनपद पंचायत बड़नगर, जिला उज्जैन, मध्य प्रदेश में अनुसूचित जाति उप-योजना योजना के तहत लाभार्थियों को आवश्यक सामग्री वितरण कार्यक्रम

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) के पशु चिकित्सा प्रतिरक्षा विज्ञान विभाग, इजतगनार ने 17 मार्च, 2026 को अनुसूचित जाति उप-योजना योजना के तहत लाभार्थियों को आवश्यक सामग्री वितरित की। यह वितरण कार्यक्रम ग्राम पंचायत लखेशरा, जनपद पंचायत बड़नगर, जिला उज्जैन, मध्य प्रदेश में आयोजित किया गया था। ग्राम पंचायत द्वारा अनुसूचित जाति के कुल 16 लाभार्थियों की पहचान और चयन किया गया और वितरण के लिए यह सूची हमारी टीम को प्रदान की गई।

लाभार्थियों में 14 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल थे। दोनों पुरुष लाभार्थी शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं। प्रत्येक लाभार्थी को 4 मादा बकरियों और 1 नर बकरी वाली एक बकरी इकाई वितरित की गई। इसके साथ ही अनाज/हरा चारा खिलाने के लिए टब और फीडर ट्रे; दवाएं (परजीवियों को नियंत्रित करने के लिए कृमिनाशक; अपच के इलाज के लिए दवा), खनिज और विटामिन पूरक भी वितरित किए गए।

लाभार्थियों को बकरी पालन के वैज्ञानिक तरीकों, जैसे कि आहार, टीकाकरण और परजीवी नियंत्रण आदि के बारे में जानकारी दी गई। किसानों के लाभ के लिए, संयुक्त विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा विकसित किसान-हितैषी साहित्य भी वितरित किया गया, जिसमें (1) बकरियों के बच्चों में दस्त की रोकथाम और नियंत्रण के स्वदेशी तरीके और (2) सर्दियों के महीनों में बकरियों के बच्चों का वैज्ञानिक प्रबंधन शामिल था।

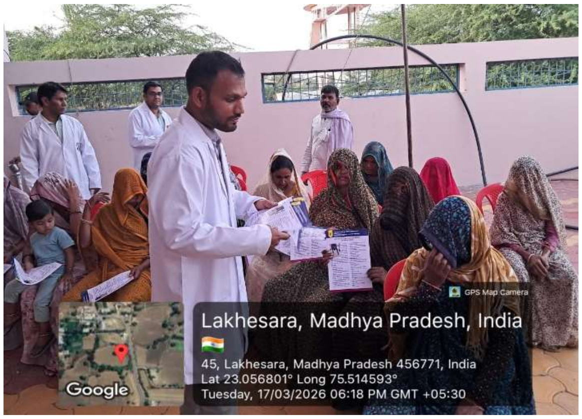

उन्हें आजीविका बढ़ाने के लिए बकरी पालन के लाभों के बारे में भी बताया गया और आर्थिक लाभ के लिए बकरी पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत के अन्य सदस्यों से भविष्य में इस गांव को बकरी पालन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया गया। इनपुट वितरण कार्यक्रम के दौरान, ग्राम और पंचायत की सरपंच श्रीमती राम कुंवर बाई, ग्राम पंचायत के अन्य सदस्य और गांव के किसान उपस्थित थे।

इनपुट वितरण कार्यक्रम का समन्वय पशु चिकित्सा प्रतिरक्षा अनुभाग के प्रभारी **डॉ. समीर श्रीवास्तव** ने किया और इसमें जैविक मानकीकरण प्रभाग के प्रधान वैज्ञानिक **डॉ. विक्रमादित्य उपमन्यु** और **श्री रजनीश कुमार**, पशु चिकित्सा प्रतिरक्षा अनुभाग के तकनीशियन (टी-2) ने सहयोग किया। यह कार्यक्रम नवनिर्मित ग्राम पंचायत भवन में आयोजित किया गया था और इसमें गांव के 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया।